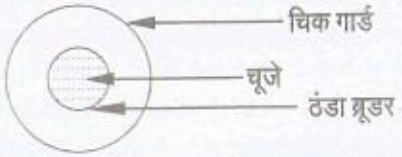

2. यदि चूजे ब्रूडर के अंदर नहीं बैठते है या चिक गार्ड के किनारे सट-सट के बैठते है तो इसका मतलब है कि ब्रूडर आवश्यकता से अधिक गर्म हो रहा है। इस प्रकार की स्थिति में ब्रूडर का तापमान कम कर देना चाहिए।

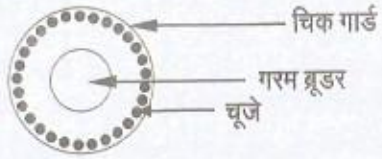

3. यदि चूजे चिक गार्ड में किसी भी एक दिशा में ढ़ेर (झुंड) के रुप में बैठे रहते हो तो इसका मतलब यह होता है कि चिक हाउस के अदंर कही न कही से सीधी हवा प्रवेश हो रही है और इसका पता लगाकर सीधी हवा को बंद कर देना चाहिए।

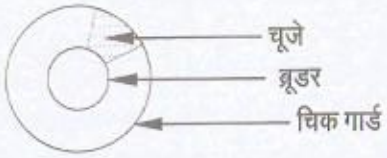

4. यदि चिक गार्ड एवं ब्रूडर के अंदर चूजे स्वछंद विचरण कर रहे हो तो इसका मतलब है कि ब्रूडर के अदंर एवं बाहर का तापमान चूजों के अनुकूल है। ऐसी अवस्था कुछ भी परिवर्तन करने की आवश्यकता नही होती है।

कड़कनाथ चूजों में दाना एवं पानी देने का तरीका

पानी देने का तरीका :- पानी हमेशा साफ व ताजा पिलाना चाहिए। पानी देने से पूर्व पानी के बर्तन को हमेशा निरमा से स्वच्छ कर लेना चाहिए तत्पश्चात् बर्तन धूप में सूखाकर साफ कपड़े से पोंछकर फिर ताजा पानी लगाना चाहिए।

पानी में विटामिन या कोई भी अन्य दवा देना हो तो, सुबह के समय पहले पानी में देना चाहिए। दवाईयाँ पिलाने के लिए कम पानी का प्रयोग करना चाहिए। जिससे कि दवायुक्त पूरा पानी चूजे पी सके। दवायुक्त पानी समाप्त हो जाने के बाद सादा पानी लगा देना चाहिए।

दाना देने का तरीका :- दाना देने से पूर्व दाने के बर्तनों की सफाई आवश्यक रुप से कर लेना चाहिए एवं दाना फीडरों में इतना भरना चाहिए कि दाना गिरने न पायें। दाना भरने के बर्तनों को सप्ताह में दो बार निरमा या ब्लीचिंग से अवश्य धोना चाहिए।

प्रत्येक दो घण्टे में दाना डालना चाहिए या तो फीडरों में खाली हाथ चलाना चाहिए ताकि दाने में जो पावडर हो वह भी दाने के बड़े टुकडों के साथ उठता (खपत) जाये क्योंकि दाने में जो पावडर होता है, आवश्यक तत्व उसी में अधिक मात्रा में पाये जाते है।

दाना मिलाने का तरीका

यदि दाने में कोई दवा मिलाना हो तो दवा की सही मात्रा तौलकर पहले थोड़े से दाने में मिला लेना चाहिए। इसके बाद दवा मिले हुए दाने को, जितने दाने में मिलाना हो उसके उपर बुरक लेना चाहिए बुरकते समय ध्यान रखना चाहिए कि दवा मिले दाने का पावडर न उडने पाये नही तो दवा की मात्रा भी उड़ जायेगी। इसके लिए सावधानी पूर्वक दाने मे दवा मिलानी चाहिए। दाने में दवा का बुरकाव कर लेने के बाद दाने के ढ़ेर को फावडे की सहायता से पहले दो बार मिलाना चाहिए। इसके बाद फावड़े का घुमा-घुमा कर दाना मिक्स करना चाहिए मिक्स दाने को खुला नही छोडना चाहिए इसे पुनः बोरे में भरकर रखना चाहिए।

दाना मिलाते समय यह देखना आवश्यक है कि दाने में नमी, फफूंद आदि तो नही है, यदि है तो ऐसे दाने का प्रयोग भुलकर भी नहीं करना चाहिए या नमी युक्त ढ़ेलो को छानकर अलग कर लेना चाहिए एवं दाने को सुखा लेना चाहिए। ध्यान रहे नमी युक्त ढ़ेले, दाने में मिक्स नही करना चाहिए।

मुर्गी व्यवसाय में हमेशा अच्छा दाना, अच्छी दवा, अच्छा पानी, अच्छे चूजों का उपयोग करना चाहिए। मुर्गियों के लिये उपयोग में लाने वाला दाना अधिक दिनों तक तैयार करके नही रखना चाहिए क्योंकि इसमें विषाक्त पदार्थ बनने लगते है जो कि मुर्गियों के लिए हानिकारक है।

दाना रखने में सावधानियां

1. दाना हमेशा सूखी व साफ जगह पर रखना चाहिए।
2. दाने को लकड़ी के तख्ते के उपर रखना चाहिए ताकि दाने में नमी का प्रभाव न पड़ सके।
3. लकड़ी के तख्ते को दीवार से थोड़ा दूर रखना चाहिए।
4. आवश्कता से अधिक स्टॉक नही करना चाहिए।
5. दाना गोदाम में पुराने बोरे या पुराना दाना नही रखना चाहिए।
6. दाना के गोदाम में विद्युत बोर्ड एवं विद्युत के तार खुले नही छोडना चाहिए।